● रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस मिसाइल इकाई का शुभारंभ किया ● योगी सरकार की प्रशंसा करते हुए व्यापार के लिए यूपी को सबसे मुफीद बताया

जरूरत पड़ी तो सीमा पार फिर करेंगे स्ट्राइक: राजनाथ सिंह

शिलान्यास

लखनऊ | मुख्य संवाददाता

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल इकाई के शिलान्यास के मौके पर रविवार को रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने पड़ोसी देश को एक नहीं दो बार स्ट्राइक कर संदेश दिया। जरूरत पड़ी तो हम उस पार फिर मारकर आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को साकार करने के लिए केन्द्र की जन कल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर सही ढंग से क्रियान्वयन कर रही है।

10 हजार करोड़ से निवेश
किया डीआरडीओ एवं विकास संगठन ने दोनों परियोजनाओं के लिए, इससे देश की सैन्य क्षमता और ताकत बढ़ेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस विनिर्माण केंद्र और रक्षा प्रौद्योगिकी परीक्षण केंद्र का शिलान्यास रविवार को किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज चार एक्सप्रेस-वे इतने कम समय में बनकर तैयार हो रहे हैं, जो एक मिसाल है। यही नहीं, चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी यहां बने। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कभी निराशा व्यक्त करते हुए कहा था कि क्या करें दिल्ली से 100 पैसा भेजता हूं लेकिन लाभार्थी तक 15 ही पहुंचते हैं। आज पीएम मोदी ने करके दिखा दिया कि दिल्ली से भेजे 100 पैसे सीधे लाभार्थी के खाते तक कैसे पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है। सीएम योगी के बुलडोजर का अमला दुनिया भर में माना जाने लगा है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार के लिए देश में सबसे मुफीद राज्य उत्तर प्रदेश है।

इस मौके पर केन्द्रीय रक्षा सचिव, डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. सतीश रेड्डी ने मात्र एक रुपये कीमत पर लीज में जमीन देने के लिए मुख्यमंत्री योगी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर, मंत्री सतीश महाना, आशुतोष टंडन, महेन्द्र सिंह और स्वाति सिंह उपस्थित रहे।

आत्मरक्षा के लिए बना रहे ब्रह्मोस मिसाइल

राजनाथ ने कहा कि हम भारत की धरती पर ब्रह्मोस मिसाइल किसी देश पर आक्रमण के लिए नहीं बना रहे, बल्कि चाहते हैं कि देश के पास ऐसी ताकत हो कि कोई भी मुल्क आंख उठाकर न देख सके। भारत अब हथियार का निर्यातक बनेगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मॉस्कवा नदी के नाम से निकला। ब्रह्मपुत्र से ब्रह्म और मॉस्कवा से मोस ले लिया गया। उस तरह ब्रम्होस नाम पड़ा। रक्षामंत्री ने केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर की भी तारीफ करते कहा कि वह मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रयासरत रहते हैं।

रडार की पकड़ में आने वाला नहीं है ब्रह्मोस

कार्यक्रम स्थल में लगी प्रदर्शनी में अलग अलग तरह की मशीगन, पैराशूट से जम्प के लिए विशेष सूट और ब्रह्मोस मिसाइल का प्रदर्शन किया गया था। यहां बताया गया कि ब्रह्मोस में इसकी स्पीड बढ़ाने के लिए रैमजेट इंजन का उपयोग किया गया है। यह इंजन इसको निशाने पर सटीक और घातक बनाता है। वायु सेना के लिए इस मिसाइल की रेंज को 500 किलोमीटर से ज्यादा बढ़ाया जा रहा है। इसकी एक बड़ी खासियत ये भी है कि इसको दुश्मन के राडार पकड़ नहीं सकते हैं।

रक्षामंत्री से मिले व्यापारी

केंद्र सरकार द्वारा कपड़े पर जीएसटी न बढ़ाए जाने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से दिलकुशा स्थित आवास पर मुलाकात की। संगठन के अध्यक्ष अशोक मोतियानी ने बताया कि इस साल धागे के दाम बढ़ने से कपड़ा 15 प्रतिशत से ज्यादा महंगा है। उन्होंने बताया कि जीएसटी लगाते समय पीएम ने आश्वासन दिया था कि बढ़ोत्तरी नहीं होगी लेकिन एक जनवरी से कपड़ा, रेडीमेड, होजरी पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत से 12 प्रतिशत करने की तैयारियां है। रक्षामंत्री ने आश्वासन दिया कि वह वित्त मंत्री के समक्ष व्यापारियों की समस्या रखेंगे।

पेंशन बढ़ाने की मांग

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने और मुफ्त चिकित्सा सुविधा की मांग को लेकर ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केएस तिवारी ने बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अंतर्गत सरकारी व निजी क्षेत्र के उपक्रमों, संस्थानों जिनकी 30-35 वर्षों के सेवाकाल में 1250 रुपये प्रतिमाह पेंशन फंड में जमा होते हैं। उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद दो से तीन हजार रुपये मिलते हैं। उन्हें 7500 मासिक पेंशन देने की मांग की गई।